नर–नारायण के एकाकार के प्रतीक थे स्वामी विवेकानन्द

मिथिलेश नारायण जी , क्षेत्रीय बौद्विक प्रमुख

देवरिया।। विश्व के महामानव का नाम है विवेकानन्द। विश्व के महानतम घटनाओं में अपना एक अलग स्थान रखता है स्वामी विवेकानन्द का व्यक्तित्व। उन्होंने अपनी मेधा से विश्व मे भारत के युवाओं के बौद्विक तेज का लोहा मनवाया। उक्त बातें आज सरस्वती वरिष्ठ माध्यमिक विद्या मन्दिर देवरिया खास देवरिया में आयोजित स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, समरसता एवं सामूहिक योग कार्यक्रम के अवसर पर क्षेत्रीय बौद्विक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक के मा0 मिथिलेश नारायण जी ने कही।

अपने मुख्य अतिथि उदबोधन में विवेकानन्द जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि प्रतिकुलता में भी अनुकुलता का सृजन विवेकानन्द के जीवन का विशेष तत्व है। विवेकानन्द जी ने शिकागो की धर्मसभा में तमाम विपरित परिस्थितियों ,टीका–टिप्पढ़ियों से विचलित हुये बिना अपनी सनातन परम्परा का शंखनाद किया। स्वामी जी ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के चरित्र और आचरण पर निर्भर करता है। स्वामी जी ने युवाओं से देश भक्ति और ईश भक्ति अपनाने का आह्वाहन किया था। देश की आत्मा को धर्म में निहित माना क्योकि धर्मकी रक्षा से ही देश की रक्षा सम्भव है। अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस की सलाह पर अपने इष्ट माँ काली से धन सम्पदा की याचना के स्थान पर स्वामी जी ने ज्ञान–भक्ति और वैराग्य माँगा। स्वामी जी ने सम्पूर्ण विश्व की मानवता का कल्याण करने का सामर्थ्य की याचना की। स्वामी जी में बचपन से ही संवेदनशीलता दयालुता एवं करुणा का भाव कूट–कूट कर भरा था। शिकागो सम्मेलन में जब स्वामी जी ने ''मेरे प्रिय अमेरिकी भाइयों एवं बहनो'' का सम्बोधन दिया तब समस्त सभागार भारतीय सनातन सभ्यता और विश्व बन्धुत्व के भारतीय दर्शन से मंत्रमुग्ध हो गया।

कार्यक्रम का आरम्भ सर्वप्रथम मुख्य अतिथि मा0 मिथिलेश नारायण जी, विद्या मन्दिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री अशोक श्रीवास्तव, प्रबन्धक श्री मुन्नी लाल शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री गौरव गोयल, प्रधानाचार्य श्री अनिरुद्व सिंह के द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र पर पुष्पार्चन से हुआ। अतिथि परिचय प्रधानाचार्य श्री अनिरुद्व सिंह एवं अतिथि सम्मान अशोक श्रीवास्तव ने किया । इसके बाद छात्रों ने समता ,योग–व्यायाम एवं सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सामाजिक समरसता कार्यक्रम के तहत सहभोज का आयोजन भी हुआ।

कार्यक्रम में आभार व्यक्त प्रबन्धक मुन्नी लाल शर्मा ने किया। संचालन आचार्य अशोक यादव ने किया। इस अवसर पर आचार्य हरिनाथ त्रिपाठी, मनोज कुन्दन, चन्द्र प्रकाश सिंह, अमरेन्द्र उपाध्याय, जगदीश प्रसाद, अरुण कुमार (छात्रावास) सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

प्रधानाचार्य